विचार बिन्दु

त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। –सुफियान सौरी

आम लोगों की जेब पर भारी पड़ती सुविधाओं के नाम पर बैंकों की वसूलियां

पिछले पांच सालों में एसबीआई को छोड शेष 11 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने केवल और केवल मिनिमम बैलेंस के नाम पर 8 हजार 500 रु. करोड रु. की कमाई की है। इसका साफ साफ अर्थ है कि गरीब आदमी के खातों से साढे आठ हजार करोड रुपए तो इन बैंकों में न्यूनतम बैलेंस ना रख पाने के कारण गवाने पडे हैं। यह तो तब है जब देश के सबसे बडे बैंक ने 2019-20 में न्यूनतम बैलेंस की पैनेल्टी के रुप में 640 करोड जुर्माना के रुप में वसूलने के बाद न्यूनतम बैलेंस पर पेनेल्टी लगाने का आदेश वापिस ले लिया। 12 में से 11 बैंकों की साढे 8 हजार करोड की पांच साल में पेनेल्टी वसूली रही है तो कल्पना की जा सकती है कि निजी क्षेत्र के बैंकों ने इस तरह के जुर्माने से कितना खजाना भरा होगा। साढे 8 हजार करोड रु. की जुर्माना राशि का आंकडा किसी भी तरह से कपोल कल्पित या अतिशयोक्ति पूर्ण नहीं हैं क्योंकि यह जानकारी अधिकृत रुप से संसद में केन्द्रीय वित राज्य मंत्री पंकज चौधरी द्वारा दी गई है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश में बैंकों में मार्च, 23 में 294 करोड से अधिक खाते हैं। अब यह स्पष्टीकरण देने का कोई मतलब नहीं कि यह पैसा गरीब खातेदारों के अकाउंट्स से ही गया हैं क्योंकि पैसे वाले खाताधारकों के खातों में तो न्यूनतम बैलेंस रहता ही है।

देश में बैंकिंग नेटवर्क का इसी से अंदाज लगाया जा सकता है कि 12 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, 22 निजी क्षेत्र के बैंक, 44 विदेशी बैंक, 56 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, 1485 अरबन कोआपरेटिव बैंक और हजारों की संख्या में ग्रामीण सहकारी बैंकिंग संस्थाएं हैं। यह तो सभी संस्थागत बैंकिंग संस्थाएं है। इसमें कोई दो राय नहीं कि बैंकिंग सेवाओं का विस्तार हुआ है। 24 गुणा 7 सेवाएं मिलने लगी है। जन धन खातों की परिकल्पना से गरीब से गरीब आदमी का बैंकों से जुड़ाव हुआ है। और अब डिजीटल लेन-देन की सुविधा ने तो सब कुछ ही बदल कर रख दिया है। आज पांच रुपए का धनिया तक पेटीएम या इसी तरह के किसी प्लेटफार्म से आसानी से भुगतान कर खरीदा जा सकता है। दिन प्रतिदिन डिजीटल पेमेंट का चलन आम होता जा रहा है। चंद मिनटों में कहीं से भी किसी को भी मोबाईल या ऑनलाईन बैंकिंग सुविधा से चंद सैकंड में भुगतान पहुंचने लगा है। यह सब बैंकिंग सेवाओं में सुधार और विस्तार का उदाहरण है तो दूसरी और नकदी लेन-देन का स्थान डिजीटल पेमेंट ने ले लिया है।

बैंकों द्वारा सुविधाओं के नाम पर वसूली राशि बहुत अधिक होने के साथ ही आम खाताधारक के लिए भारी पड़ने लगी है। डुप्लीकेट पासबुक से लेकर चैक बाउंस होने पर रिटर्न चार्ज, सिग्नेचर वैरीफाई चार्ज, नोमिनी का नाम बदलवाने, इंट्रेस्ट सर्टिफिकेट लेने, ईकेवाईसी और इसी तरह की सेवाओं के लिए चार्ज लिए जाते हैं।

बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार निश्चित रुप से शुभ संकेत माना जाना चाहिए। यह भी साफ है कि लोगों में निश्चित रुप से अवेयरनेस आई है। यह दूसरी बात है कि साइबर ठगी के मामलें भी बहुत अधिक होने लगे हैं। पर सबसे अधिक चिंतनीय बैंकों द्वारा अपनी आय बढाने के लिए सुविधाओं के नाम पर चार्जेज लगालगाकर अपनी आय बढाना है। आम आदमी को किसी तरह की गलत फहमी में नहीं रहना चाहिए कि बैंक उन्हें यह सेवाएं फ्री में दे रहे हैं। आज हालात यह है कि एटीएम पोस मशीन से बडा बडा कारोबारी भुगतान लेने को तैयार नहीं होता। उसका साफ कहना होता है कि इसमें हमारे चार्जेज लग जाते हैं इसलिए डिजीटल प्लेटफार्म से ही भुगतान प्राप्त करना उचित समझते हैं। खैर चिंतनीय बात यह है कि बैंकों द्वारा सुविधाओं के नाम पर वसूली राशि बहुत अधिक होने के साथ ही आम खाताधारक के लिए भारी पडने लगी है। आज हो यह रहा है कि बैंक की छोटी से छोटी सेवा के लिए भी भुगतान करना पडता है। भुगतान के आसान तरीके आरटीजीएस और एनईएफटी की सेवाएं चार्जेवल है। हांलाकि दो लाख तक के आरटीजीएस पर कोई चार्ज नहीं लिया जाता पर राशि बढने के साथ ही चार्ज बढता जाता है। डुप्लीकेट पासबुक से लेकर चैक बाउंस होने पर रिटर्न चार्ज, सिग्नेचर वैरीफाई चार्ज, नोमिनी का नाम बदलवाने, इंट्रेस्ट सर्टिफिकेट लेने, ईकेवाईसी और इसी तरह की सेवाओं के लिए चार्ज लिए जाते हैं। एटीएम का उपयोग हांलाकि अब कम होता जा रहा है पर दूसरे बैंक के एटीएम के उपयोग और इसी तरह की अन्य सेवाओं के लिए चार्जेज आम होता जा रहा है। देखा जाए तो हमें पता ही नहीं चल पाता कि बैंकों द्वार कब कितना पैसा काट लिया जाता है। लेनदेन की सूचना के एसएमएस से लेकर अन्य सेवाएं करीब करीब सशुल्क होने के कारण हमें कुछ ना कुछ चुकाना ही पडता है। चिंतनीय यह है कि इस सबके बावजूद बैंकों में ग्राहकों के प्रति जो संवेदनशीलता और आपसी संबंध होने चाहिए वह कहीं खोते जा रहे हैं।

इसमें कोई दो राय नहीं कि बैंक सेवा प्रदाता संस्था हैं और सहज सुविधाएं उपलब्ध कराने और निरंतर सेवाओं में सुधार के लिए बैंकों द्वारा प्रयास किये जाते रहे हैं। पर इसके साथ ही बैंकों को न्यूनतम बैलेंस या अन्य तरह के अनावश्यक चार्जेज लगाने से पहले आम खाताधारकों के हितों को भी देखना चाहिए। बैंक केवल और केवल पैसा कमाने का स्थान नहीं हैं अपितु बैंकों की भी आमजन के प्रति जिम्मेदारी बनती हैं। सभी कुछ केवल और केवल खाताधारक से ही देय है तो फिर बैंकों और पुराने जमाने के साहूकारों या आज के गली-गली में फैले सूदखोरों या फिर बॉक्सरों से वसूली करने वाली संस्थाओं से अलग होना ही पडेगा। कहीं ना कहीं सरकार और बैंकिंग संस्थाओं को जनसरोकारों से भी जुडना होगा ताकि जिस तरह से पिछले कुछ सालों में बैंकों में आम आदमी की सहज पहुंच हुई हैं और आम आदमी का मोबाईल अब बैंक बन गया है यह सराहनीय है। आवश्यकता चार्जेज के पुनरावलोकन की है। इस और ध्यान देना ही होगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

हरियाली तीज के अवसर पर सीकर जिले में एक साथ लगाए लाखों पौधे

सीकर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रेरणा से हरियाली तीज के अवसर पर बुधवार को पूरे प्रदेश में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दिन प्रदेशवासियों द्वारा एक साथ करोड़ों पौधे लगाये गए। पौधारोपण का जिला स्तरीय कार्यक्रम सांवली रोड स्थित स्मृति वन में आयोजित हुआ, जहां अतिरिक्त मुख्य सचिव परिवहन एवं जिले की प्रभारी सचिव श्रेया गुहा, सीकर विधायक राजेंद्र पारीक, पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती, पुलिस महानिरीक्षक सत्येंद्र सिंह, अतिरिक्त संभागीय आयुक्त पुरूषोत्तम शर्मा, जिला कलेक्टर कमर चौधरी, एसपी भुवन भूषण यादव सहित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने पौधारोपण किया। हरियालो राजस्थान के जिला स्तरीय कार्यक्रम में स्मृति वनमें 1000 पौधे मौके पर ही लगाए गए।

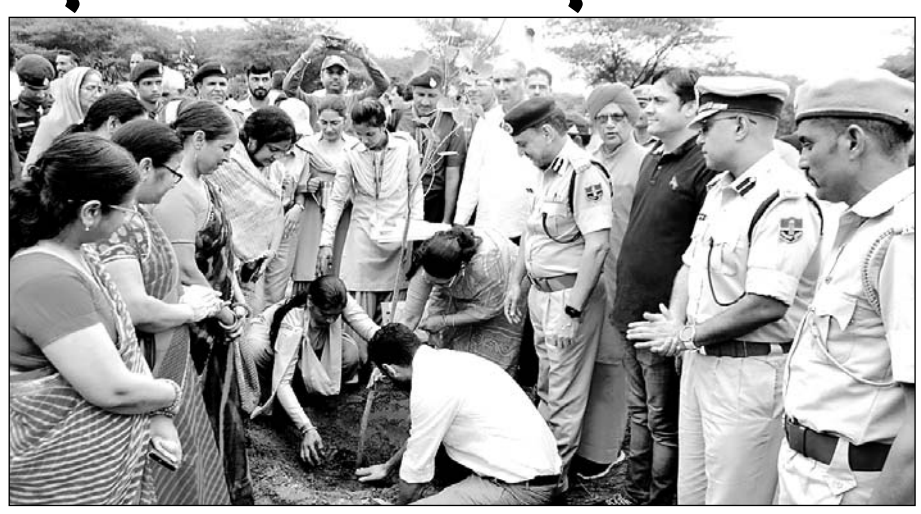

पौधारोपण का जिला स्तरीय कार्यक्रम सांवली रोड स्थित स्मृति वन में आयोजित हुआ।

■ राज्य सरकार ने पर्यावरण संरक्षण की मंशा को ध्यान में रखते हुए चलाया हरियालो राजस्थान अभियान : प्रभारी सचिव गुहा

जिला प्रभारी सचिव श्रेया गुहा ने कार्यक्रम में कहा कि प्रदेशभर में आज हरियालो राजस्थान अभियान की थीम एक पेड़ मां के नाम के तहत सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। प्रदेश में इस अभियान के तहत 7 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य लिया गया है, इसी के तहत जिले में भी आज 6 लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पर्यावरण संरक्षण की मंशा को ध्यान में रखते हुए जिले की प्रत्येक पंचायत में वृक्षारोपण के कार्यक्रम आयोजित किए गये।

सीकर विधायक राजेन्द्र पारीक ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण होगा तो भूमिगत जल भी बढ़ेगा और पानी की समस्या भी दूर होगी। उन्होंने कहा कि हम सभी का दायित्व है कि आने वाली पीढ़ी के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं और उनकी देखभाल भी करें।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर कमर चौधरी ने पूरे जिले में चल रहे सघन वृक्षारोपण अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि जिले में 23 लाख वृक्षारोपण के लक्ष्य के विरूद्ध 16 लाख वृक्ष लगाए जा चुके हैं तथा बुधवार को एक साथ 6 लाख वृक्ष पूरे जिले में लगाए जाने का लक्ष्य है। पौधारोपण के लिए विभिन्न विभागों को लक्ष्य आवंटित किये गये हैं। उन्होंने कहा कि पौधोरोपण के साथ ही उनकी सार-संभाल भी की जानी आवश्यक है। आज पूरे जिले में 6 लाख पौधे लगाकर उनकी जिओ टैगिंग की जाएगी और हर 3 महीने में जिओ टैगिंग वाले पौधे की फोटोपोर्टल पर अपलोड की जाएगी। जिससे पौधे की सार-संभाल और संरक्षण का सही ढंग से पता चल पाएगा।

कार्यक्रम में स्काउट गाईड की छात्राओं ने वानीकी गीत की प्रस्तुति दी। इससे पूर्व सभी अतिथियों ने स्मृतिवन में पौधारोपण भी किया। इस मौके पर गायत्री परिवार ने 200 पौधे, डॉ. वी.के जैन ने 1000, पुलिस विभाग ने 100 पौधे लगाए। कार्यक्रम का संचालन जिला साक्षरता अधिकारी राकेश लाटा ने किया। इस दौरान उप जिला प्रमुख ताराचंद धायल, पूर्व विधायक सीकर रतन लाल जलधारी,नगर परिषद सभापति जीवण खां, उपसभापति अशोक चौधरी, नेता प्रतिपक्ष अशोक चौधरी, भाजपा जिला अध्यक्ष कमल सिखवाल, अतिरिक्त जिला कलेक्टर रणजीत सिंह, जिला परिषद के सीईओ नरेंद्र पुरोहित, बलदेवाराम धोजक सहित जिला स्तरीय अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

'पौधारोपण कर संतान की तरह उनकी देखभाल करें'

चूरू, (निसं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री तथा जिला प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा है कि हम सभी मिलकर सरकार के संकल्प को पूरा करें और पौधरोपण कर संतान की तरह उनकी देखभाल करें। परिवेश को हरा भरा रखने के लिए सभी के सम्मिलित प्रयास आवश्यक हैं।

प्रभारी मंत्री गहलोत ने बुधवार को जिला मुख्यालय स्थित नगर वन में हरियाली तीज के अवसर पर मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान 'हरियालो राजस्थान' कार्यक्रम अंतर्गत वृक्षारोपण किया। इस मौके पर विधायक हरलाल सहारण, जिला प्रमुख वंदना आर्य, पद्मभूषण देवेंद्र झाझड़िया, पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवा, प्रभारी सचिव भास्कर ए सांवत, उद्यमिता एवं कौशल विकास मंत्रालय संयुक्त सचिव हिना उस्मान, जिला कलक्टर पुष्पा सत्यानी, पुलिस अधीक्षक जय यादव, जिला उप प्रमुख महेंद्र न्यौल, चूरू प्रधान दीपचंद राहड़, फतेहचंद सोती, विक्रम कोटवाद, विमला गढ़वाल, मुरारीलाल, गुलझारी लाल सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों व नागरिकों ने पौधे लगाकर पौधों की सार संभाल की जिम्मेदारी ली। मंत्री गहलोत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया है। हम सभी संकल्पित होकर पौधों के साथ आत्मीय लगाव रखते हुए समुचित देखभाल करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा पीएम मोदी के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए प्रदेश में हरियाली तीज के अवसर पर 7 करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए हैं।

कस्बे सहित ग्रामीण क्षेत्रों में सघन पौधारोपण किया

बीदासर, (निसं)। मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान-हरियालो राजस्थान-एक पेड़ मां के नाम के तहत बुधवार को हरियाली तीज के अवसर पर कस्बे व आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों में सघन पौधारोपण ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने किया।

पंचायत समिति बीदासर की ग्राम पंचायत ढाणी कालेरान में सघन पौधारोपण अभियान के तहत एक हजार पौधों का रोपण किया गया। प्रधान संतोष मेघवाल, उपखंड अधिकारी सुमन शर्मा, तहसीलदार डाक्टर सुरेंद्र भास्कर, विकास अधिकारी भागीरथ यादव ने ग्राम पंचायत के ताल में विभिन्न प्रकार के पौधों का पौधारोपण किया। पौधारोपण कार्यक्रम में एसडीएम सुमन शर्मा ने ग्रामीणों को कहा कि पर्यावरण शुद्धि के लिए पौधारोपण अतिआवश्यक है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को एक पौधा लगाकर उसकी सार संभाल अवश्य करनी चाहिए। प्रधान संतोष मेघवाल ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के नुकसान से बचने के लिए पौधारोपण अवश्य करें, तथा प्रधानमंत्री मोदी की भावना के अनुसार एक पेड़ मां के नाम अवश्य लगाए। पौधारोपण अभियान में पालिका के अधिशाषी अधिकारी सोहन लाल नायक, कनिष्ठ अभियंता मुकेश स्वामी, सरपंच धर्मवीर पूनिया, ग्राम विकास अधिकारी भंवर लाल, एसीबीईओ चरण सिंह घोटड़ सहित सैंकड़ों ग्रामिणों ने पौधारोपण किया।

वहीं धापू देवी चोरड़िया राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय बीदासर में संघन पौधारोपण पालिका अध्यक्ष सीताराम भोभरिया के सानिध्य में किया गया। पौधारोपण अभियान के शुभारंभ से पूर्व विद्यालय परिवार की ओर से उपस्थित जनप्रतिनिधियों व गणमान्य नागरिकों का स्वागत किया गया, तथा विद्यालय की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर विद्यालय की चार दिवारी के पास सैकड़ो पौधे लगाए गए। पौधारोपण कार्यक्रम में उपप्राचार्य प्रेम रतन शर्मा, नगर कांग्रेस अध्यक्ष जेठाराम यादव, पालिका में प्रतिपक्ष के नेता गोपाल गुर्जर, जवाहर सिंह राठौड़, सलीम बल्खी, विमल टेलर सहित विद्यालय स्टाफ व छात्राओं ने पौधारोपण किया। इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष सीताराम भोभरिया ने विद्यालय की सभी छात्राओं को लड्डू वितरण करने की घोषणा की। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक सुरेश जानू ने किया।

मेहंदी प्रतियोगिता के साथ मनाया तीज पर्व

सादुलपुर, (निसं)। स्थानीय मोहता महाविद्यालय के छात्रानुभाग में बुधवार को तीज के पावन पर्व पर एक मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें करीब एक दर्जन छात्राओं ने भाग लिया।

प्रतियोगिता में महक ने प्रथम व सानिया ने द्वितीय व स्नेहा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य डॉ. पी.एस. राठौड ने सभी छात्राओ को तीज की बधाई व शुभकामनाएं दी और कहा की तीज का पर्व राजस्थान के गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत का उत्कृष्ट उदाहरण है।

इस अवसर पर उप प्राचार्य प्रो. अरविन्द गौड, डॉ गजेंद्र सिंह शेखावत, छात्रानुभाग प्रभारी डॉ. संजू शर्मा, डॉ. राजबीर सिंह, डॉ. दिनेश बासोतिया, डॉ. सुनीता नेहरा, प्रो. प्रवीण भारद्वाज, प्रो. ताहिर, प्रो. सुभीता जांगिड व कोमल चंगोईवाला आदि ने सक्रिय सहयोग किया व छात्राओं को तीज की शुभकामनाएं दी।

गोपालपुरा की हरितिमा ढाणी में लगाये 21 हजार पौधे

सुजानगढ़, (निसं)। निकटवर्ती गांव गोपालपुरा की हरितिमा ढाणी में उपखण्ड स्तरीय कार्यक्रम के तहत हरियाली तीज पर 21 हजार पौधों का रोपण किया गया। सरपंच सविता राठी ने बताया कि प्रधान मनभरी मेघवाल, पूर्व मंत्री खेमाराम मेघवाल, एडीएम मंगलाराम पूनिया, एएसपी दिनेश कुमार, एसडीएम ओमप्रकाश वर्मा सहित उपखण्ड स्तरीय अधिकारियों के साथ गणमान्यजनों, ग्रामीण महिलाओं एवं स्कूली छात्रों ने हरितिमा ढाणी में पौधे लगाये।

■ सरपंच व ग्रामीण महिलाओं की मेहनत का परिणाम, बंजर गोचर का हुआ कायाकल्प

मुख्यमंत्री वृक्षरोपण महा अभियान हरियालो राजस्थान एवं एक पेड मां के नाम अभियान के तहत पौद्यारोपण किया गया। इस दौरान उपस्थितजनों को सम्बोधित करते हुए एडीएम मंगलाराम पूनिया, एसडीएम ओमप्रकाश वर्मा ने सम्बोधित करते हुए जंगल में मंगल करने का श्रेय सरपंच सविता राठी को देते हुए कहा कि बंजर जमीन पर लहलहा रहे पौधे सरपंच सविता राठी की इच्छा शक्ति एवं ग्रामीण महिलाओं की मेहनत का परिणाम है। इस दौरान सरपंच की मांग पर प्रधान मनभरी मेघवाल ने बाणिया बस्ती से हरितिमा ढाणी तक दस लाख रूपये से नाला निर्माण करवाने की घोषणा की। कार्यक्रम को पूर्व मंत्री खेमाराम मेघवाल, सीबीईओ सुनीता पूनिया ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर तहसीलदार सुभाष स्वामी, एबीडीओ मुकेश कुमार, कृषि अधिकारी दिनेश कुमावत, एसीबीईओ मंजू पंवार, सीडीपीओ गौरव चौधरी, समाजसेवी कुसुम भूतोडिया, एक्सईएन धीराचंद शिवराण, राजेश सुन्दरिया, दिनेश पीपलवा, पीईओ रामानन्द फलवाडिया, ठाकुरमल कताला, कमल कांत वेदी, प्रधानाचार्य केसर सिंह, भींवाराम सहारण, भागीरथ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं ग्रामीण जन उपस्थित थे। इस दौरान सरपंच सविता राठी, पूर्व सरपंच रूपाराम खीचड, प्रकाश स्वामी, भींवाराम प्रजापत, खुशाल मेघवाल, झूमर मल सारण, रामोतार आचार्य, नानूराम गुर्जर ने पुष्प हार पहना एवं पौद्या प्रदान कर अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन कवि हरिराम गोपालपुरा ने किया।

वर्ष 2021 में सरपंच सविता राठी की पहल पर हरितिमा ढाणी की शुरूआत हुई थी। बंजर एवं कांटे दार पौद्यों तथा मृत पशुओं की अस्थियों से भरी 144 बीघा गोचर की सफाई कर उसका काया कल्प करने का काम सरपंच सविता राठी की इच्छा शक्ति का ही परिणाम है।

नगरपरिषद ने दो हजार पौधे लगाये

सुजानगढ़, (निसं)। नगरपरिषद द्वारा मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान हरियालो राजस्थान एवं एक पेड मां के नाम अभियान के तहत एमबीएम राजकीय कन्या महाविद्यालय सहित अनेक स्थानों पर दो हजार पौधे लगाये गये। सभापति नीलोफर गौरी, आयुक्त दिलीप शर्मा के नेतृत्व में पार्षदों, परिषद एवं महाविद्यालय के कर्मचारियों, नरेगा श्रमिकों ने पौधारोपण कर उनकी देखभाल की जिम्मेदारी ली। सभापति नीलोफर गौरी ने बताया कि नगर परिषद द्वारा सालासर रोड स्थित एमबीएम राजकीय कन्या महाविद्यालय के नवीन परिसर में 700, माधो तलाई पर 500 व गौशाला की बीड में 800 पौधे लगाए गये हैं। ये छायादार और उपयोगी पौधे वन विभाग ने उपलब्ध करवाए हैं। आयुक्त दिलीप शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री द्वारा पर्यावरण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत परिषद द्वारा पौधारोपण किया जा रहा है, जिन्हें पाल पोस कर बडा करने की जिम्मेदारी भी लोगों को दी गई है।

राशिफल गुरूवार 8 अगस्त, 2024

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, शुक्ल पक्ष, चतुरथी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2081, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 11:34 तक, शिवयोग दिन 12:29 तक, वणिज करण दिन 11:21 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-वृष, बुध-सिंह, गुरू-वृष, शुक्र-सिंह, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

रवियोग रात्रि 2:44 तक है। आज वरद विनायक चतुर्थी, दुर्वा गणपति व्रत है और श्रवण तपस्या आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:37 तक, चर 10:54 से 12:32 तक, लाभ-अमृत 12:32 से 3:49 तक, शुभ 5:28 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:59, सूर्यास्त 7:05

मेष
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों एवं आय में वृद्धि होगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

मिथुन
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा संभव है।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

सिंह
आर्थिक/वित्तिय मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों सफलता से मनोबल-आत्मविश्वास ऊंचा रहेगा।

कन्या
व्यक्तिगत पारिवारिक कार्य के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

धनु
व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज बनते कार्य बिगड़ने का भय है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मीन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

पौधारोपण महज आंकड़ों का नहीं बेहतर भविष्य का अभियान है : जिला प्रभारी सचिव

पाटन, (निसं)। मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान-हरयालो राजस्थान के तहत हरियाली तीज पर बुधवार को जिलेभर में पौधारोपण किया गया। अभियान के दौरान नीमकाथाना जिले में गांव स्तर तक लाखों पौधे लगाए गए। जिला स्तरीय कार्यक्रम शहर के राणासर रोड स्थित राजकीय सावित्रीबाई फुले बालिका छात्रावास में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेमसिंह बाजौर, जिला प्रभारी सचिव इंद्रजीत सिंह, कलेक्टर शरद मेहरा, एसपी प्रवीण नायक नूनावत सहित जिलास्तरीय अधिकारियों की मौजूदगी में 2,100 पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं भी पारंपरिक लहरिया वेशभूषा में अभियान में शामिल हुईं।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेमसिंह बाजौर, जिला प्रभारी सचिव इंद्रजीत सिंह, कलेक्टर शरद मेहरा सहित जिलास्तरीय अधिकारियों की मौजूदगी में 2,100 पौधे लगाए गए।

■ नीमकाथाना जिले में गांव स्तर तक लाखों पौधे लगाए

जिला प्रभारी सचिव इन्द्रजीत सिंह ने इस मौके पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पौधरोपण कार्यक्रम महज आंकड़ों का अभियान नहीं है, यह हमारे बच्चों के बेहतर भविष्य का अभियान है, यह हर दिन, हर पल इस बारे में सोचने का अभियान है कि अपने आस-पड़ोस को हरा-भरा रखने से ही पर्यावरण संरक्षण संभव है। नीमकाथाना जिले में पानी की बहुत अधिक किल्लत है, इसलिए यहां ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने की जरूरत है।

सिंह ने कहा कि नीमकाथाना जिले में 11 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य था, जिसे बढ़ाकर 16.5 लाख पौधे कर दिया गया है। इसके लिए कलक्टर मेहरा सहित पूरी टीम की सराहना की और उन्हें बधाई दी। कलेक्टर मेहरा ने बताया कि हरियाली तीज से पहले जिले में 11 लाख के लक्ष्य से कहीं अधिक 13 लाख पौधे लगाए जा चुके हैं। स्थानीय लोगों और विभिन्न संगठनों के सहयोग और पौधे लगाने के प्रति उनके उत्साह को देखते हुए हमने लक्ष्य बढ़ाकर 16.5 लाख कर दिया है। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि हम इससे ज्यादा पौधरोपण करेंगे। उन्होंने वृक्ष मित्रों का जिक्र करते हुए उनके पेड़ों के संरक्षण के प्रति उनके जज्बे की सराहना की। कलक्टर ने कहा कि नीमकाथाना पहाड़ी और खनन क्षेत्र है, यहां पानी की अनुपलब्धता बड़ी समस्या है, इसका एक ही समाधान है अधिक से अधिक पौधारोपण। सैनिक कल्याण बोर्ड अध्यक्ष प्रेमसिंह बाजौर ने नई पीढ़ी के लिए पढ़ाई और वृक्षारोपण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कोई भी देश कुछ लोगों के भरोसे नहीं चल सकता, किसी भी बड़ी जरूरत की पूर्ति के लिए हर देशवासी को जागरूक होना जरूरी है। हमें हमारे बच्चों की जिंदगी आसान करने के लिए ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने के साथ ही उनके संरक्षण का भी पूरा ध्यान रखना होगा।

समारोह में जिला परिषद के एसीईओ मुरारीलाल शर्मा ने पौधरोपण अभियान की विस्तृत जानकारी दी। अंत में एडीएम अनिल कुमार ने अभियान को सफल बनाने के लिए सभी को धन्यवाद दिया। समारोह के बाद प्रभारी सचिव, सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष, कलक्टर, एसपी, एडीएम, नीमकाथाना एसडीएम, जिला परिषद् एसीईओ, नगर परिषद् आयुक्त, सीकर के गोविन्द सैनी ने एक-एक पौधा लगाया।